विदिशा-गंजबासौदा भास्कर

भोपाल, रविवार 23 जुलाई, 2017 | श्रावण कृष्ण पक्ष-15, 2074

कोई भी बड़ी खोज एक साहसी कल्पना के बिना नहीं की जा सकती। - न्यूटन

सिरोंज > कुरवाई > लटेरी > शमशाबाद > ग्यारसपुर > गुलाबगंज

एक दवाई की दुकान के बाहर बोर्ड लगा हुआ था... हमें दवाई की एक्सपायरी डेट का पता है लेकिन आपकी नहीं... कृपया उधार ना मांगे!

मानसून मीटर

24 घंटे में बारिश	2.8
सीजन की कुल बारिश	42.07
पिछले साल 31 जु तक	65.2

आंकड़े डेसी में

मौसम

तापमान	दिन	रात
विदिशा	27.0	25.0
बीते साल से घट/बढ़	(-2.0)	(-4.0)
रायसेन	26.0	21.0
सीहोर	28.0	22.5

पूर्वानुमान: रविवार को घने बादल छाए रहेंगे। बारिश की संभावना है।

सूर्योदय कल	सूर्यास्त आज
प्रातः 05:45	सायं: 6:59

नगर में आज

निःशुल्क चिकित्सा शिविर

समय: सुबह 10 से 3 बजे तक

स्थान: मानव सेवा न्यास, जिला अस्पताल के सामने विदिशा

13 साल पहले गुम बेटे के लिए मां हर साल सिलवाती थी कपड़े, लौटा तो पहनाए

मंदबुद्धि अलीम खान 22 साल की उम्र में अपनी बहन के घर से हो गया था लापता

प्रमोद साहू | सिरोंज

कहते हैं उम्मीद पर आसमान टिका है। यह कहावत नगर के नयापुरा में रहने वाली भूरी बी के जीवन में सौ फीसदी सच साबित हो गई। भूरी बी का मंदबुद्धि बेटा अलीम खान 13 साल पहले गुम हो गया था। बेटा वापस आएगा इस उम्मीद के साथ उसने उसके लिए कपड़े सिलवाए थे। 13 साल बाद उसकी यह उम्मीद पूरी हो गई। उनके लिए फरिश्ता बन कर आए। वे अपने साथ अलीम को लेकर आए थे, वह भी पहले से काफी अच्छी अवस्था में।

पिता रफीक सहित पांचों भाई बहिनों ने छोड़ दी थी अलीम के लौटने की उम्मीद

कपड़े सिलवाकर पेटी में रख दिए थे

नगर के नयापुरा में रहने वाली 68 वर्षीय भूरी बी का बेटा अलीम खान 13 साल पहले अपनी बड़ी बहन शहो बी के यहां बासौदा गया था। उस समय अलीम की उम्र 22 साल थी तथा कुछ समय पहले ही उसकी दिमागी हालत खराब हो गई थी। बहन के यहां से अलीम कहां गया किसी को नहीं पता। परिजनों ने ढूंढा लेकिन कहीं पता नहीं चला। पिता रफीक खान के साथ ही अलीम के पांच भाई-बहन हैं सभी ने उम्मीद छोड़ दी थी लेकिन उसकी मां भूरी बी को उम्मीद थी कि ईद पर बेटा वापस लौटेगा। इसी वजह से उसने उसी समय अलीम के लिए कपड़े सिलवाकर पेटी में रख दिए लेकिन वह नहीं आया। तीन बेटियों और एक बेटे की शादी हो गई। पांच साल पहले पति रफीक खान का इंतकाल हो गया। वे मकान बदल कर नयापुरा में ही दूसरी जगह रहने लगीं।

सब को पहचान रहा था

शुक्रवार का दिन भूरी बी की जिंदगी का सबसे बड़ा दिन हो गया। संतोष कुमार उनके लिए फरिश्ता बन कर आए। उन्होंने संतोष के साथ जब अपने बेटे अलीम को देखा तो आंखों पर यकीन नहीं हुआ। अलीम न केवल सभी को पहचान रहा था बल्कि उनके नाम भी ले रहा था। 13 साल बाद बेटे के पहले से भी अच्छी हालत में मिलने से भूरी बी की खुशी का ठिकाना नहीं था। 10 घंटे तक सिरोंज में रुकने के बाद रात में ही संतोष कुमार वापस मुंबई लौट गए। शनिवार को घर पर मेहमानों का तांता लगा रहा।

सिरोंज में अपने परिवार के साथ बैठा अलीम खान (लाल घेरे में)।

अलीम का दो साल तक चलेगा इलाज

नयापुरा में रहने वाले परवेज गौरी ने बताया कि अलीम और संतोष शुक्रवार दोपहर में उनके पुराने घर पर पहुंचे थे। वहां पर मौजूद लोगों ने उनके वर्तमान घर का पता बताया। भूरी बी ने बताया कि मैंने अलीम के लिए 13 साल पहले कपड़े सिलवाए थे। आज उसने वो कपड़े ही पहने हैं।

रेलवे पुलिस ने सौंपा था श्रद्धा फाउंडेशन को जिसने पहुंचाया घर

अलीम को लेकर आए संतोष मुंबई के श्रद्धा फाउंडेशन से जुड़े हैं। भास्कर से मोबाइल पर हुई चर्चा में संतोष ने बताया कि अलीम पांच महीने पहले रेलवे पुलिस को ठाणे रेलवे स्टेशन पर मिला था। हमारा फाउंडेशन इस तरह के मानसिक विकलांग लोगों का इलाज कर उन्हें उनके घर तक पहुंचाता है। पुलिस ने अलीम को हमें सौंपा। श्रद्धा पुनर्वास केन्द्र में उसका इलाज चला। जब अलीम सही हो गया तो उसने खुद अपना पता बताया। इलाज के बाद हम एमपी के 7 लोगों को लेकर आए हैं। आज भी बड़वानी में हूं। श्रद्धा फाउंडेशन के ऑनर भरत वाघवानी हैं। 1986 में स्थापित फाउंडेशन का कार्यक्षेत्र साल 2006 से सारा देश हो गया है।

अपराध | चोरों के निशाने पर अधिकारी, नेता और बड़े व्यापारी

विदिशा से सांची तक रेलवे ट्रैक पर 30 तक चलेगा कार्य